RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 41-42 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 25 मार्च 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

होली अंक 2024

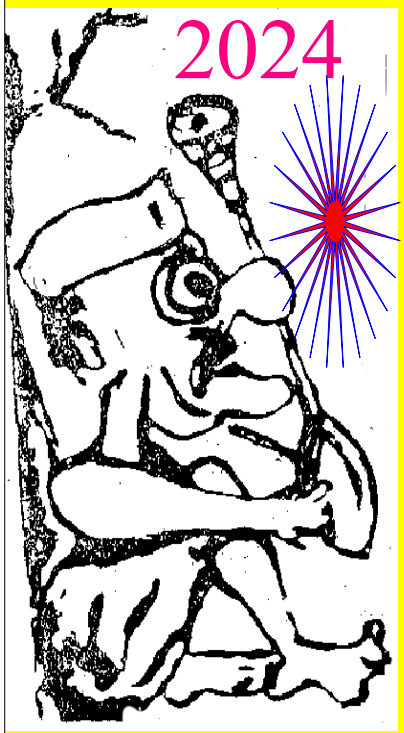

चुनाव गणित और होली

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव 2024 के लिये हाथ-पांव मारते नेता और पार्टियों को होली का रंग चढ़ा हुआ है। मोदी टीम मान बैठी है कि आने वाला समय उनका है और एकछत्र राज 'मोदी राज' होगा जबकि विपक्ष की पेटपीड़ कम नहीं है। विपक्ष अपना राज चाहत है लेकिन हर बड़ा नेता प्रधान मंत्री बनने की होड़-तोड़ में दिख रहा है। ऐसे में राज्य स्तर पर लोकसभा का गणित बनता-बिगड़ता जा रहा है। होली के रंग के साथ-साथ चुनाव का रंग चढ़ते जाने दो, इसका असर परिणाम बताएंगे। अभी होली का नशा है।

उत्तराखण्ड में तो भाजपा डंका बजाने में आगे दिखाई दे रही है। टिकट मिलते ही अजय भट्ट का हल्द्वानी में भव्य स्वागत हुआ। नैनीताल- उधमसिंह नगर लोकसभा सीट में पार्टी के सबसे धांकड़ नेता के रूप में वह दिख रहे हैं। टिकट का दावा तो कई ने किया लेकिन पार्टी के मुखिया समझ चुके थे कि किसी दूसरे को टिकट दिया तो कई झगड़े दिखाई देंगे। ऐसे में अजय को ही जय-जय का मौका दिया जाए। इसी प्रकार अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर अजय टम्टा का टिकट काटकर रेखा आर्य को टिकट की

शेष पृष्ठ 7 पर

दाज्यू, होली का नशा होने वाला ठैरा

दाज्यू, फागुन मास की मस्ती और चुनाव का सीजन साथ हो तो डबल इन्जन टाइप होने वाला ठैरा। तभी तो मोदी ज्यू कह रहे हैं- 'युवाओं को बढ़ावा देने से कांग्रेस डरती है।' दाज्यू, सेवक-सेविकाओं का कहना- सुनना लगा ठैरा।

अपने भगत दा कह रहे हैं- 'उत्तराखण्ड स्वावलम्बी बने।' हरिद्वार कनखल स्थित जगद्गुरु शंकराचार्य राजराजेश्वरा श्रम महाराज का आशीर्वाद लेने

शेष पृष्ठ 7 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

भरी गगरी मोरी ढुरकाई छैल

महफिल सजी हो और राग-ताल का खाली-ताली समझने और समझाने वाले हों तो माहौल अदब का रहता है। वहाँ राग भी संभलते और समझे जाते हैं। जैसे- 'भरी गगरी मोरी ढुरकाई छैल, हाँ राखत है कछु मन में मैल।
मैं जमुना जल भरन जात रही, आन अचानक घेर लई,
रोक रह्यो पनघट की गैल, भरी गगरी मोरी.....'
होली भी ऐसा त्यौहार है जहाँ बिगड़े रिश्ते बन जाते हैं, बात संभल जाती है, मेल-मिलाप बनता है। लेकिन.....। यह सब क्या अब आसान है? न तो किसी में धैर्य है और न सुनने-समझने के लिये एकाग्रता, फिर कैसा माहौल बनेगा?

रंगों का त्यौहार होली उन बड़े त्यौहारों में से है जो पूरे समाज को एक सूत्र में बांधने का काम करता है और अपनी परम्परा को अगली पीढ़ी तक हस्तान्तरित करता है। होली के ऐसे त्यौहार में हर आम-खास प्रवासी भी अपने ग्राम-घरों की और रुख करते हैं। होली मिलन का त्यौहार है जो एकदम सीधा सा सन्देश देता है- 'जीवन रंगों की तरह है, इसमें उमंग और उल्लास के साथ भीगने का मजा है। साथ ही गीत-संगीत की तरावट है।'

होली के इस सन्देश से हमें सबक लेते हुए जीवन की गगरी भरने की कोशिश करनी चाहिये ताकि मन में मैल रखते हुए कोई इसे ढुरकाने की कोशिश न कर सके। इस समय होली के दौरान लोकसभा चुनाव का बिगुल भी बज चुका है, ऐसे में अति सतर्क रहना चाहिये। क्योंकि होली की आड़ में आहूत मिलन समारोह के नाम पर वह सब होने लगता है जिसमें दूसरे पक्ष के भिड़ने की आशंका रहती है। इसलिए ऐसा कुछ न हो जिससे अशिष्टता हो। वैसे भी इस बात ध्यान हर हमेशा ही रखना चाहिये। त्यौहार के संदेश को केवल मौज मनाने का नाम देना गलत है।

दाज्यू, होली का नशा...

प्रथम पृष्ठ का शेष

गये थे भगतदा। दाज्यू सीएम धामी भी कसर नहीं छोड़ रहे। वह बार बार कह रहे हैं- 'प्रदेश में व्यापार, विकास और विश्वास का वातावरण बन रहा है।' दाज्यू, हल्द्वानी में बनभूलपुरा वाला मसला चल ही रहा है। साब लोग अब्दुल मलिक की हिस्ट्री टटोल रहे हैं बल। विधायक सुमित हृदयेश ने बनभूल पुरा हिंसा के विरोध में अपने जन्मदिन पर केक नहीं काटा। पूर्व दर्जा मंत्री अजय राजौर के नाम से फर्जी पोस्ट वायरल हुई। राजौर ने पुलिस में मामला दर्ज करते हुए बताया कि किसी ने बनभूलपुरा हिंसा से जुड़ी पोस्ट सोशल मीडिया पर उनके नाम से पोस्ट कर दी हैं। दाज्यू, देहरादून में नगर आयुक्त गौरव कुमार और अन्य कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने के मामले में सल्ट के विधायक महेश जीना के खिलाफ मुकदमा दर्ज करना पड़ा। दाज्यू, क्या कहें क्या न कहें? विधायक होना मतलब.....। जीना अपने परिचित के टेण्डर के सिलसिले में उलझ गये। विधायक होने का मतलब जोराजोरी हो जाने वाला ठैरा। पूर्व वन मंत्री हरक सिंह को कार्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। कोर्ट ने सीबीआई जांच जारी रखने और तीन महीने में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया है बल।

दाज्यू, जब हन्तर-घन्तर चल रहे हों तो बहुत संभल कर मैदान में कूदने वाले ठैरे। अब देखो, अपने हरदा पर सबकी नजर है। पहले खूब हल्ला मचा हरदा बड़े बेटे आनन्द के लिये टिकट चाह रहे हैं फिर छोटे बेटे वीरेन्द्र का नाम उछल गया। दाज्यू, लगा-भीजा सब यहीं ठैरा। छज्जू बता रहा है- 'एसटीएच हल्द्वानी में चर्चित बिलिंग घोटाले में कालेज प्रबन्धन ने कार्रवाई करते हुए दो नियमित महिला कर्मियों को प्राचार्य कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया।' दाज्यू, होली का नशा गजब होने वाला ठैरा। हल्द्वानी की युवती ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पति हनीमून के लिये मलेशिया ले गया और बन्धक बनाकर मारपीट की। हमारी समझ नहीं आ रहा है कि लट्ठमार होली तो होती थी लेकिन मलेशिया जाकर यह सब क्या होने लगा।

चुनाव के लिये एमबीपीजी कालेज को प्रशासन ने अधिग्रहीत कर लिया है। दाज्यू, ये बहुत ही अच्छा काम है। हम सोच रहे हैं अधिक से अधिक कालेज अधिग्रहीत होने चाहिये। कालेजों वैसे भी अब होना क्या है? आप जानने ही वाले ठैरे टर्र-फर्र के जमाने में पड़ना-लिखना बदल चुका है। हर दिन होली त्यौहार ही समझो.....। हमारा भुतिया भी हाथ लटकाए कालेज घूमने जाता है। कह रहा था- 'कालेज घूमकर दिन कट जाता है। सर-मैडम लोग जागरुकता के काम में व्यस्त रहते हैं।' दाज्यू, हम सोच रहे हैं होली के इस सीजन तक भुतिया अपने आप घूमता है। उसके बाद लट्ठ लेकर बताएंगे कि जागरुकता किसे कहते हैं। -तुम्हारा भुली झकरुवा

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

हैप्पी ट्रीट फास्ट फूड कॉर्नर

गैस गोदाम रोड, हल्द्वानी

यादें शेष : स्व. लक्ष्मण सिंह जंगपांगी

हल्द्वानी। 3 फरवरी की रात्रि तिकसनैन, मुनस्यारी निवासी लक्ष्मण सिंह जंगपांगी पुत्र स्व. सीताराम सिंह जंगपांगी ने संक्षिप्त बीमारी से घिरकर अन्तिम सांस ली। करीब 62 वर्षीय लक्ष्मण सिंह पिघलतला हिमालय के संस्थापक पिघलता हिमालय स्व. दुर्गा सिंह मर्तोलिया के दामाद थे। सरल स्वभाव के स्व. जंगपांगी जी का असमय निधन झकझोर गया है। वर्तमान में इनका परिवार सिद्धार्थ सिटी देवलचौड़ हल्द्वानी में रह रहा है।

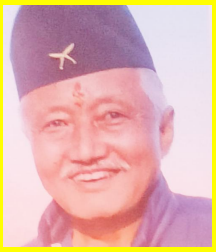

वह अपने पीछे पत्नी चिकित्सक डाक्टर उषा जंगपांगी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। यादों के मेले में पुरानी स्मृतियां घूमती हैं। जोहार मुनस्यार के प्रतिष्ठि परिवार से इनका ताल्लुक है। 1960 में सीताराम सिंह जंगपांगी, त्रिलोक सिंह सयाना, देवेन्द्र जंगपांगी द्वारा संयुक्त रूप से इलाके में सबसे पहले सीमेंट से निर्मित तिर्मंजिला भवन का निर्माण किया था। व्यापारी परिवार के रूप में कारोबार का जमजमाव काफी था। वस्त्रों का शानदार कारोबार मुनस्यारी में जमाया गया। 'ग्वालियर शूटिंग' के नाम से भी इनके प्रतिष्ठान को आज तक जाना जाता है। इस परिवार के लक्ष्मण सिंह अपने कारोबार को फैलाने की धुन में हल्द्वानी तक आए। जबकि मर्तोलिया परिवार की बेटी उषा लखनऊ मेडिकल कालेज से शिक्षा-दीक्षा ग्रहण कर रही थीं।

विवाह के पश्चात लक्ष्मण सिंह जी ने परिस्थिति अनुसार अपने को ढाला। सदैव शान्ति प्रिय जंगपांगी जी अपने परिवार के साथ समर्पित रहे। श्रीमती उषा जंगपांगी जो हल्द्वानी महिला चिकित्सालय में हैं, इन दोनों ने अपने पुत्र-पुत्रियों को बेहतर शिक्षा-संस्कार दिये। डॉ. उषा ने अपनी सरकारी सेवा के साथ-साथ परिवार के लिये जिस प्रकार का त्याग-तपस्या की है वह अपनी उनके संस्कार हैं। चिकित्सा सेवा में होने के कारण वह अत्यधिक व्यस्त हैं लेकिन अपने पिता के स्वभाव के अनुरूप वह भी पठन-पाठन से जुड़ी हैं और पिघलता हिमालय परिवार की संरक्षक भूमिका में हैं।

लक्ष्मण सिंह जी असमय निधन पर मुनस्यारी, थल, डीडीहाट, हल्द्वानी अन्य स्थानों से भी शोक सम्वेदनाएं प्रकट की गई हैं। पिघलता हिमालय परिवार अपने साथी स्व.लक्ष्मण सिंह जंगपांगी की यादों को सहेजते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता है

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

गंगा आर्या

प्रधानाध्यापिका

राजकीय प्राथमिक विद्यालय

भट्टीगांव

बेरीनाग

होली अभियान में अग्रणीय है हिमालय संगीत शोध समिति

धीरज उप्रेती

'हिमालय संगीत शोध समिति' होली के विशुद्ध अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय है। समिति का जन्म ही इसलिये हुआ था कि हल्द्वानी जैसे भाबर में पहाड़ की होली के रसमय माहौल को बनाए रखे। इसकी शुरुआत में रानीबाग, तीनपानी, मुखानी, गौलापार क्षेत्र में होली की बैठकें की गई। वह दौर जब नशेपान ने होली बैठकों को बिगाड़ना शुरु कर दिया था हल्द्वानी शहर में 'हिमालय संगीत शोध समिति' का गठन किया गया। इसमें होली के सुघड़ खिलाड़ियों को जोड़ा गया जिसमें मुखानी स्थित गोल कमरे को बैठक के लिये तय कर दिया। स्व. भुवन चन्द्र कपिल के आवास में सारे होल्यार तीन-चार महीने तक जुटते थे। बुजुर्गवार उर्बादत्त पाण्डे सहित तमाम लोग इसमें जुटते। दूसरी ओर कालाढूंगी रोड स्थित 'शक्ति प्रेस' में भी समिति ने संगीत कक्षाएं आरम्भ कर दी थीं। पुराने समय के खग्गाड़ होल्यारों के साथ रातभर होली के गीतों को घोटने वाले होल्यार भूल जाते थे कि कब सुबह हुई। नैनीताल भीमताल से भी मिरासी कलाकारों का अड्डा यही था। हल्द्वानी फर्नीचर मार्ट में काम करने वाले शंकर मिस्त्री, गुलाब मास्टर जैसे होली के जानकार इसमें जुटते थे। होली को संरक्षण देने के लिये स्व. जगन्नाथ वर्मा, स्व. जयदत्त काण्डपाल, पं. केशवदेव वशिष्ठ, स्व. जमुनादत्त कोठारी, स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती, स्व.मुरली महाराज, जैसे संरक्षक संस्था के पास थे। वरिष्ठ पत्रकार ताराचन्द्र गुरुरानी, सनातन धर्म महाविद्यालय के प्राचार्य गोपालदत्त त्रिपाठी, सिंथिया स्कूल के प्रबन्धक प्रवीन्द्र रौतेला सहित कई महानुभाव संस्था को संरक्षण दे रहे हैं। संस्था के संस्थापक के रूप में डॉ. पंकज उप्रेती ने जिस अभियान को धार दी थी वह अब हरी हो चुकी है। 1993 में संस्था ने होली को वृहद रूप से आयोजित करते हुए 1998 में इसे पंजीकृत करवाया था, तब से आज तक प्रतिवर्ष सैकड़ों छात्र-छात्राओं व जिज्ञासुओं ने संगीत की शिक्षा ग्रहण की। संगीत शिक्षा का मतलब केवल गीत-संगीत न होकर हमारे उठने बैठने की तहजीब भी है। यही कारण है कि भातरखण्डे लखनऊ से सम्बद्ध परीक्षाओं का आयोजन करवाया जाता है और गायन, वादन, नत्य के मेधावियों के आलवा संगीत की आत्मा को समझने वाले इससे जुड़े हुए हैं। इन्हीं सब बजहों से होली की परम्परागत बैठक को महानगर में प्रतिवर्ष पौष के प्रथम रविवार से करवाने का श्रीगणेश संस्था करती रही है। इसके बाल, युवा, किशोर कलाकारों की महफिल एक अंदाज, अहसास, जुड़ाव, लगाव के साथ स्वस्थ्य वातावरण बनाने में सफल है। होली की कुछ दिनों में बिगड़त करने वालों के लिये यह बड़ा सन्देश भी है।

ज्योतिष की बातें - 170

18 मार्च 2024 को, अभी तक अस्त चल रहा, शनि कुम्भ राशि में पूर्व में उदय हो जाएगा अत: शनि से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अब जातकों को स्पष्ट रूप से प्राप्त होंगे ।

26 मार्च 2024 को बुध समग्रह की राशि मेष में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु से युति बनायेगा अत: बुध शुभ फलदायी होगा। अगले 15 दिन बुध बुद्धि, वाणिज्य, व्यवसाय आदि अपने कारक विषयों में मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या, कर्क और मिथुन राशि की जातकों को शुभफल प्रदान करेगा।

31 मार्च 2024 को शुक्र मीन राशि में प्रवेश करेगा। वहाँ पर राहु और शनि से युति भी करेगा अत: शुक्र अत्यन्त निर्बल होगा। अगले 24 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में कन्या, सिंह व मिथुन राशि के अतिरिक्त अन्य सभी नौ राशियों को सामान्य फल प्रदान करेगा।

होलिका दहन- फाल्गुन शुक्ल पक्ष भद्रारहित प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि में होलिका दहन किया जाता है । इस बार प्रदोषकाल में भद्रा व्याप्त रहने के कारण भद्रा समाप्ति के बाद रात्रि 11:13 के पश्चात व अर्धरात्रि के पूर्व रविवार 24 मार्च 2024 को होलिका दहन किया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 61

मृत्युकाल में भी राक्षसी इलाज

पहले असाध्य स्थिति हो जाने पर, लक्षणों के द्वारा मृत्युकाल निकट आया समझकर डाक्टर परिजनों को राय दे देते थे कि अब इन्हें घर ले जाइये, इनकी सेवा करिये, इनकी इच्छाओं को पूरा करिये। तो घर के लोग रोगी की खूब सेवा करते थे। जो मांगे वह खाने के लिए दिया जाता था। उनकी सभी इच्छाओं को पूरा किया जाता था। साथ में तुलसीदल और गंगाजल का सेवन, गीतापाठ आदि निरन्तर चलता रहता था। व्यक्ति अन्त समय में अपने सभी नाती-पोतों, बहू-बेटों को देखकर, सबके मध्य में प्रसन्न होकर, अन्त समय में अपना अन्तिम निर्देश अपने बच्चों से कहकर प्राण त्यागता था। कभी-कभी रोगी के सेवा करने से वह रोगी लम्बे समय तक सुखपूर्वक जीवित भी बना रहता था। अब आजकल बीमार पड़ने पर रोगी को खाने पीने की अतिप्रिय व स्वास्थ्य वर्धक चीजें जलेबी, समोसा, घी, दूध, चावल, केला आदि का परहेज के नाम पर त्याग करना पड़ता है। अधिक बीमार होने पर गृहत्याग करके अस्पताल में रहना पड़ता है वहाँ पर परिजन यथोचित सेवा नहीं कर पाते हैं अस्पताल पर पूर्णत: निर्भर रहना पड़ता है। जब अन्त समय आता है और रोगी कुछ कहना चाहता है, ओंठ फड़क रहे होते हैं तो घर के लोग कोई नर्स को बुलाने दोड़ता है तो कोइ डाक्टर को बुलाने के लिये दौड़ लगाता है लेकिन उस रोगी के सम्मुख कोइ भी नहह्र होता है । उसके एक हाथ में ग्लूकोज की बोतल और एक हाथ में खून की बोतल लगी होती है और मुँह पर आक्सीजन का ढक्कन चढ़ा रहता है । उस समय रोगी अपने बहू-बेटों से मन की बात कहने के लिए तड़प रहा होता है लेकिन उसकी कोई सुनने को तैयार नहीं होता। ऐसी ही स्थिति में अत्यन्त दु:खी होकर वह प्राण त्याग कर देता है।

अन्त समय में इस दुर्दशा का कारण आजकल का राक्षसी इलाज ही नहीं बल्कि उसके परिजन भी होते हैं ।

-सरल

अनुपम उपहार

विहंस रही हैं डाली डाली फूलों के तो क्या कहने
भंवरे तितली बने हुए हैं डाली डाली के गहने।।
प्योंली से धरा भी अपनी चूनर पीली रङवाती।
गेहूं के खेतों की चूनर सरसों धानी कर जाती।।
जंगल का यह लाल बुरांश जंग को ज्यों जला रहा
रङवाली पिछौड़ी वाली दुल्हन को यों बुला रहा।।
सब मिलकर आओ करें बसन्त का स्वागत सत्कार
रंग बिरंगे फूलों का उसको दें मनभावन उपहार।

-रतन सिंह किरमोलिया
गरुड़, बागेश्वर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पूर्णागिरी मेला २६ मार्च से

चम्पावत। उत्तर भारत का प्रमुख पूर्णागिरी मेला 26 मार्च से शुरू होगा और 15 जून तक चलेगा। 82 दिन के लिए प्रशासन ने तैयारियां कर दी हैं। मेला सम्बन्धी तैयारी के लिये जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे ने बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बताते चलें कि होली के अगले दिन से यह मेला चलता है। सरकारी तौर पर इसकी तिथि निश्चित होती है लेकिन यह अतिरिक्त भी जारी रहता है।

पुरोला भी नगर पालिका परिषद

उत्तरकाशी। नगर पंचायत पुरोला अब नगर पालिका परिषद बनेगी। लाभार्थी सम्मान समारोह में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने यह घोषणा की। बड़कोट के रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में सीएम ने लाभार्थियों को चेक व सामग्री वितरित करने के साथ ही कहा कि उत्तरकाशी, बड़कोट एवं रंवाई क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का समाधान हमारी सरकार प्राथमिकता से करेगी।

एसएसबी ने गुंजी में बांटे मेमने

धारचूला। सशस्त्र सीमा बल की ओर से वाहिनी के कमाण्डेंट मधुकर अमिताभ के निर्देशन में समन्वय धारचूला के अन्तर्गत उच्च हिमालयी क्षेत्र गुंजी में ग्रामीणों को भेड़ के बच्चों का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को भेड़पालन, उनके रखरखाव, खानपान आदि के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई।

दरकोट लिंक मोटर मार्ग खोलने की मांग

मुनस्यारी। दरकोट लिंक मार्ग खोलने की मांग को लेकर सीएम को पत्र लिखा गया है। पत्र में बताया है कि 2015-16 में लोनिवि द्वारा इस लिंक मोटर मार्ग का निर्माण किया गया था लेकिन जुलाई 2018 के दैवीय आपदा से दरकोट माँ भगवती मन्दिर के नीचे भूस्खलन होने से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। तब से आज तक विभाग द्वारा मार्ग नहीं खोला गया है। क्षेत्र के प्रधान व जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर युक्त पत्र पर सीएम कार्यालय से उम्मीद लगाई जा रही है।

२० करोड़ से बनेगा परीक्षा भवन

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 20.41 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक परीक्षा भवन बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत भवन के निर्माण को मंजूरी हुई है। इस भवन में एकसाथ तीन हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा दे सकते हैं। साथ ही 600 विद्यार्थी आनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। बताते चलें कि यूओयू के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिये एमबीपीजी कालेज, महिला कालेज और लाल बहादुर शास्त्री कालेज पर निर्भर रहना पड़ता है। कई बार कुविवि की परीक्षाएं भी साथ-साथ होने से व्यवस्था

नन्दा माई मर्तोली मंदिर में होगा भव्य आयोजन

मुनस्यारी। जोहार स्थित मर्तोली में नव निर्मित नन्दा माई मन्दिर के शुद्धिकरण का भव्य आयोजन की तैयारी है। आगामी 9 जून को आयोजन की सम्भावना है। इसके लिये माँ नन्दा के भक्त सभी मर्तोलिया बन्धुओं में उत्साह है। सीमान्त क्षेत्र में जिस लगन के साथ हिमालयी नन्दा माई ट्रस्ट के अपील पर जिस तरह से सभी ने उत्साह दिखाया है, उसे देख अनुमान है आयोजन विशाल होगा। आयोजन की रूपरेखा के लिये इससे जुड़े लोग लगातार तैयारी में जुटे हैं।

अनदेखी से बोर्ड सचिव नाराज

देहरादून। अनदेखी से नाराज शिक्षा विभाग की अपर निदेशक और उत्तराखण्ड बोर्ड की सचिव डॉ. गीता तिवारी ने शासन से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांगी है। उनका कहना है कि उनसे जूनियर अधिकारी को पहले निदेशक बना दिया गया, जबकि अब एक अन्य को बोर्ड का सचिव का कार्य दायित्व दिया गया है। उन्होंने विभाग में व्यक्ति विशेष को लाभ देने के लिये दोहरे मापदण्ड अपनाए जाने का आरोप लगाया।

१० मई को खुलेंगे केदारनाथ कपटा

रुद्रप्रयाग। विश्वप्रसिद्ध 11वें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष में शुक्रवार 10 मई को खुलेंगे। 5 मई को ओंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ में भैरव नाथ जी की पूजा सम्पन्न होगी। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति 6 मई को पंचकेदार गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मन्दिर से केदारनाथ धाम के लिये प्रस्थान करेगी। विभिन्न पड़ावों से होकर 9 मई की शाम यह केदारनाथ पहुँचेगी।

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

नारायण सिंह बोहरा

अध्यक्ष

नगर कांग्रेस कमेटी

गंगोलीहाट

दमुवाढूंगा में मालिकाना हक के लिये सीएम को ज्ञापन दिया

हल्द्वानी। दमुवाढूंगा खाम में मालिकाना हक के लिये स्थानीय लोगों ने हल्द्वानी पहुँचे सीएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों ने कहा कि राज्य सरकार साल 2014 में इस क्षेत्र को अनारक्षित वन भूमि घोषित कर चुकी है। साथ ही स्थानीय निकाय चुनाव के तहत उक्त क्षेत्र को नगर निगम में शामिल किया गया है। इसके बावजूद यहाँ लोगों को मालिकाना हक नहीं दिया गया है। जिस वजह से स्थानीय लोगों को वोट डालने का तो अधिकार है लेकिन जमीन का मालिकाना हक उनके पास नहीं है।

बनभूलपुरा जाँच, गड़बड़ में फंसेंगे

हल्द्वानी। बनभूलपुरा हिंसा की जाँच जारी है। इसमें अब्दुल मतीन सहित 98 लोगों को उपद्रव के लिये पुलिस ने पकड़ा है। मामले में किस प्रकार से वारदात हुई, किसने क्या किया, सबकी जाँच हो रही है। वहीं बनभूलपुरा के हालात सामान्य बने हुए हैं। काठगोदाम हिल डिपो का लोकार्पण करने आए सीएम धामी ने एक बार फिर कहा कि हल्द्वानी जैसी हिंसा दोबार न हो इसके

परिक्रमा

गुंजी में पर्यटन विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

धारचूला। पर्यटन विभाग द्वारा गुंजी के मनेला में अधिग्रहीत की जा रही भूमि पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के स्वागत में आयोजित समारोह में क्षेत्रवासियों ने स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। व्यास संघर्ष समिति द्वारा उन्हें ज्ञापन सौंपा गया जिसमें गुंजी के मनेला में पर्यटन विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहीत करने पर आपत्ति जताई गई। कहा इस भूमि पर उनकी आस्था जुड़ी हुई है। स्वदेश दर्शन 2.0 का विरोध करते हुए इसे सीमान्त के लिये नुकसानदेह बताया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह व्यास ने कहा कि जल्दी ही उनकी मांग नहीं मानी गई तो व्यास घाटी के लोग चुनाव बहिष्कार का निर्णय लेंगे।

दानवीरांगना जसुली की धर्मशाआलों का जीर्णोद्धार किया जायेगा, ज्ञापन दिया

जौलजीवी। रं कल्याण संस्था द्वारा सचिव पर्यटन को ज्ञापन सौंपते हुए दातु पट्टी दारमा निवासी जसुली दताल शौक्याणी द्वारा कैलास मानसरोवर मार्ग पर निर्मित ऐतिहासिक धर्मशालाओं सहित स्थानीय समस्याओं के बारे में बताया। इस पर सचिव ने कहा कि इन धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार किया जायेगा। इन्हें मानस खण्ड परियोजना का अभिन्न अंग बताते हुए कहा ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित किया जायेगा। ससाजसेवी शकुन्तला दताल के नेतृत्व में मिलने गये शिष्टमण्डल को अपर सचिव ने बताया कि इस सिलसिले में कार्रवाई चल रही है।

ज्ञापन में स्मरण कराया गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा में इन धर्मशालाओं के जीर्णोद्धार व संरक्षित करने के लिये गया था लेकिन अभी कार्य अपूर्ण है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हिमालयी राज्यों में बढ़ती गर्मी दे रही है खतरे का संकेत

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

एक जनवरी से 29 फरवरी 2024 के बीच पूरे देश में कुल मिलाकर 33 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। सर्दियों के मौसम में सामान्य तौर पर 39.8 मिलीमीटर वर्षा होती है लेकिन इस बार सिर्फ 26.8 मिलीमीटर दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग मौसम का पैटर्न बदल रही है, जिससे तापमान एवं बरसात के तरीकों में भी असमानताएं पैदा हो रही हैं। जलवायु का गहन अध्ययन करने वाली संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स की ताजा रिपोर्ट कहती है कि फरवरी में जरूर थोड़ी वर्षा व बर्फबारी हुई, लेकिन यह भी सर्दी में वर्षा की कमी पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं लगती है। विश्व भर के विज्ञानियों का मानना है कि मौसम का यह बदलता रुख प्रमुख रूप से जलवायु परिवर्तन के कारण ही है और इस वैश्विक आपदा का सर्वाधिक प्रभाव हिमालय पर पड़ेगा। मौसम को गर्म करने का एक अन्य पहलू महासागर के तापमान में लगातार वृद्धि होना है। मौसम विभाग के ही एक शोध के अनुसार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान बढ़ रहा है। विज्ञानियों के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग के ही कारण बढते तापमान से पश्चिमी विक्षोभ कमजोर हो रहे हैं। पिछले दो वर्ष से भारत में सर्दियां अपेक्षाकृत गर्म हो रही हैं। इस वर्ष भी बारिश और बर्फ सर्दियों की शुरुआत से ही कम हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ती हुई ग्लोबल वार्मिंग मौसम का पैटर्न बदल रही है, जिससे तापमान और बारिश के तरीकों में भी असमानताएं पैदा हो रही हैं। भारत के मौसम के लिहाज से बेहद अहम माना जाने वाला पश्चिमी विक्षोभ इस साल ज्यादातर ऊपरी अक्षांश (अपर लैटीट्यूड) वाले क्षेत्रों में ही सीमित रहा जिससे पश्चिमी हिमालय में इसका प्रभाव कम रहा। पश्चिमी विक्षोभ सर्दी का मौसम लाने और उत्तर-पश्चिम भारत व मध्य भारत के क्षेत्रों में मौसम गतिविधियों को सक्रिय करने के लिए जाना जाता है। इस वर्ष सर्दी में पश्चिमी विक्षोभों की तीव्रता और बारम्बारता कम रही है।

महीनों के लिहाज से समझें कि इस वर्ष भारत में कैसा रहा सर्दी का मौसम। क्लाइमेट ट्रेंड्स के मुताबिक दिसम्बर माह में अधिक तापमान के साथ शुरू हुआ। बारिश और कंबारी भी नहीं हुई। इस कारण पूरे उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों और पहाड़ी राज्यों में सर्दी का मौसम देरी से आया। यहाँ 18.9 मिलीमीटर के सामान्य औसत की तुलना में इस महीने 6.6 मिमीमीटर बारिश ही दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप बारिश में 65 प्रतिशत की कमी आई। वहीं जनवरी में चार पश्चिमी विक्षोभ आए, इनमें से केवल एक (28 से 31 जनवरी) पश्चिमी हिमालय और उसके आसपास के मैदानी इलाकों में बारिश या बर्फबारी और इस क्षेत्र को अधिक प्रभावित नहीं कर सके। सर्दी के मुख्य महीने जनवरी में उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्यत: 33.8 मिमीमीटर के मुकाबले केवल 3.1 मिमीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके चलते 91४ की बारिश की कमी हुग्र, जो वर्ष 1901 के बाद इस माह दूसरी सबसे कम बारिश है।फरवरी में जनवरी की तुलना में फरवरी की शुरुआत अच्छी रही और इस दौरान अधिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी क्षेत्रों और मैदानी इलाकों में बारिश और बर्फबारी हुई। कुल मिलाकर इस महीने आठ पश्चिमी विक्षोभ आए, जिनमें से छह सक्रिय रहे। इससे 31 जनवरी तक 58 प्रतिशत रही बारिश की कमी को कम करने में मदद मिली, जो 29 फरवरी को घटकर 33 प्रतिशत रह गई। एक पहलू यह भी है कि इस महीने व्यापक वर्षा के बावजूद अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य औसत से अधिक रहे।

मौसम के विभिन्न रुझानों में देखा जा सकता है कि पृथ्वी का वातावरण बदल रहा है। इसमें तापमान में वृद्धि भी शामिल है। न्यूनतम तापमान का बढ़ना चिन्ताजनक है। इससे कई नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं, जैसे गर्मी का बढ़ना, फसल चक्र में व्यवधान और पारिस्थितिकी प्रणालियों में परिवर्तन। फरवरी 2024 में वर्ष 1901 के बाद से दूसरा सबसे न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग द्वारा आंकड़े दर्ज करना शुरू करने के बाद से अब तक इस बार जनवरी में चौथा सबसे न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। ये रुझान अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि एक बड़े पैटर्न का हिस्सा हैं। अल नीनो प्रशांत महासागर में औसतन हर दो से सात वर्ष में विकसित होने वाली एक महासागरीय घटना है। यह आमतौर पर नौ से 12 महीने तक चलती है। अल नीनो की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब भूमध्यरेखीय प्रशान्त महासागर में सतह का जल औसत से अधिक गर्म हो जाता है। इसे हमेशा औसत से कम मानसून, गर्म सर्दियों और धुंध वाले दिनों के साथ जोड़ा जाता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र कहते हैं, हालांकि कोई नियम पुस्तिका नहीं है, लेकिन अगर अल नीनो की स्थिति है, तो उष्ण कटिबन्धीय (ट्रापिकल) क्षेत्र के पास गर्म हवा बढ़ जाती है और यह ठण्डी हवा को उत्तर की ओर धकेलती है। इसलिए यह भारतीय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभों का मार्ग सीमित कर देता है। अल नीनो जैसी घटनाओं के कारण, न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा, जिससे देश में सदह्न का मौसम गर्म बन गया। मौसम को गर्म करने का एक अन्य पहलू महासागर के तापमान में लगातार वृद्धि होना है। भारतीय मौसम विभाग के एक शोध के अनुसार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान (एसएसटी) बढ़ रहा है। भूमि की सतह के तापमान और समुद्री सतह के तापमान के बीच मजबूत सम्बन्ध भूमिका का संकेत करता है। इसके पड़ोसी क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण जलवायु प्रभाव हो सकते हैं। उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र में एसएसटी बढ़ गया है और समुद्र के पानी के तापमान में इस वृद्धि की प्रतिक्रिया के रूप में उष्णकटिबन्धीय भूमि की सतह और उष्णकटिबन्धीय क्षोभमण्डल (ट्रोपोस्फियर) के तापमान में भी वृद्धि हो रही है। पश्चिमी विक्षोभ हवा में परेशानियां पैदा करने वाली घटना होती है। यह मूल रूप से पश्चिम से उत्पन्न होती हैं और सर्दियों के दौरान ऊपरी वायुमण्डल में यात्रा कर भारतीय उपमहाद्वीप में पहुँचती हैं। दिसम्बर से फरवरी के दौरान ये घटनाएं सबसे अधिक होती हैं, प्रति माह औसतन 4-5 बार। पश्चिमी हिमालय के आकार के साथ पश्चिमी विक्षोभों का परस्पर प्रभाव वर्षा के वितरण को निर्धारित करता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन की भूमिका और पश्चिमी विक्षोभों पर इसके प्रभाव को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों के अनुसार अधिक सम्वहन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ते तापमान से पश्चिमी विक्षोभ कमजोर 1990 के बाद के आंकड़ों के अनुसार, एक रुझान है कि दिसम्बर से फरवरी के लिए पश्चिमी विक्षोभों की आवृत्ति कम हो रही है। यही बात वर्षा में भी देखी जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण उप-उष्णकटिबन्धीय उच्च क्षेत्र भी उत्तर की ओर खिसक रहा है, जिसके कारण पश्चिमी विक्षोभ भी उत्तर की ओर खिसक रहे हैं और उत्तर-पश्चिम भारत पर वर्षा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि यह उत्तर की ओर जाता है, तो पश्चिमी विक्षोभों की आवृत्ति, तीव्रता और गति भी प्रभावित होगी। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से पूरे हिमालय में नई झीलों का निर्माण और मौजूदा झीलों का विस्तार हुआ है। इनमें से कई झीलें नीचे की ओर स्थित समुदायों और बुनियादी ढांचे के लिए हिमनद झील फटने के कारण आने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा पैदा कर सकती हैं। हिमालयी क्षेत्र में हिमनद झीलों की संख्या वर्ष 1990 में 4,549 (398.9 वर्ग किमी) से बढ़कर वर्ष 2015 में 4,950 (455.3 वर्ग किमी) हो गई। क्लाइमेट ट्रेंडस की रिपोर्ट के अनुसार, कई बड़े अध्ययन इस करते हैं कि एशिया भर में हिमनद झीलों की संख्या बढ़ रही है। इनमें बताया गया है कि जम्मू और कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में जलवायु परिवर्तन के कारण बनी झीलों की संख्या ज्यादा है। इनकी निगरानी ज़रूरी है। अध्ययन के अनुसार जम्मू और कश्मीर में सबसे ज्यादा झीलें हैं। सड़क और आबादी के लिए सबसे ज्यादा खतरा जम्मू और कश्मीर में है। झीलें श्रीनगर घाटी और उसके आसपास घनी आबादी वाले क्षेत्रें को प्रभावित कर सकती हैं। कृषि भूमि और जल विद्युत परियोजनाओं के लिए सबसे ज्यादा खतरा अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में है। रिपोर्ट के अनुसार धरती के गर्म होने से ग्लेशियरों पर असर पड़ेगा। 2 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर अधिकांश हिमनद खत्म हो सकते हैं। हिमालय क्षेत्र में भी आधे से ज्यादा हिमनद खत्म हो सकते हैं। 3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान बढ़ने पर लगभग सभी हिमनद खत्म हो सकते हैं।ि रपोर्ट में बताया गया है कि कम उत्सर्जन करने से हिमालय क्षेत्र में हिमनदों को बचाया जा सकता है। ग्लेशियरों के पिघलने से पानी की कमी हो सकती है।

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

हरीश धानिक
'भीमा'
पुत्र स्व.राम सिंह धानिक
गंगोलीहाट

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मुख्य सूचना आयुक्त से आदेश का पुनरावलोकन करने का अनुरोध

साल 2023 के शुरुआती माह में पटवारी भर्ती हेतु आयोजित परीक्षा के प्रश्न लीक हो जाने से चर्चित जिस प्रकरण के चलते उत्तराखण्ड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून बना उसी प्रकरण के बारे में मांगी गई सूचना हेतु की गई द्वितीय अपील के निस्तारण के आदेश हो जाने के बाद भी इस बात का खुलासा नहीं हुआ कि आँखिर किस नियम के तहत अपीलार्थी को सूचना से वंचित किया गया? इस स्थिति से हैरान अपीलार्थी ने मुख्य सूचना आयुक्त से इस आदेश का पुनरावलोकन करने का अनुरोध करने के साथ ही सचिव सामान्य प्रशासन/नोडल विभाग(आरटीआई)से इस आदेश पर न्याय विभाग से परामर्श लेने के उपरान्त आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है ताकि कोई भी अपीलार्थी हतोत्साहित न हो और उसे जिस नियम के तहत सूचना से वंचित किया गया हो उस नियम की जानकारी हो सके।

गौरतलब है कि हल्द्वानी के देवकीबिहार निवासी रमेश चन्द्र पाण्डे ने 11 मार्च 2023 को उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के लोक सूचना अधिकारी को आवेदन भेजकर 3 बिन्दुओं पर सूचना मांगी थी। 1.पटवारी/लेखपाल की भर्ती हेतु 12-2-23 को दोबारा आयोजित परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र तैयार कराये जाने की पूरी प्रक्रिया से सम्बन्धित पत्राचार एवं पत्रावली में अंकित टिप्पणियों की सत्यप्रतिलिपि। 2. पटवारी की भर्ती हेतु 12-2-23 को आयोजित परीक्षा मे दिये गये प्रश्नपत्र की सत्यप्रतिलिपि। 3. पटवारी/ लेखपाल की भर्ती हेतु लीक हुए क्वैश्चन बैंक के प्रश्नो की सत्यप्रति लिपि।

लोक सूचना अधिकारी द्वारा 13 अप्रैल को बिन्दु संख्या 2 की सूचना दी गई लेकिन बिन्दु संख्या 1 व 3 के बारे में आरटीआई एक्ट की धारा 8(1) (छ) का हवाला देते हुए सूचित किया गया कि यह सूचना दी जानी सम्भव नहीं है। प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा भी लोकसूचना अधिकारी के अभिमत पर सहमति व्यक्त किये जाने के बाद श्री पाण्डे ने 3 जून को राज्य सूचना आयोग को द्वितीय अपील भेजी थी जिसकी सुनवाय पाँच माह बाद 20 नवम्बर को हुई। मुख्य सूचना आयुक्त अनिल चन्द्र पुनेठा के स्तर से हुई सुनवाई के बाद 29 नवम्बर को आदेश निर्गत हुआ। आदेश के बिन्दु 7 में उल्लिखित लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी की प्रतिनिधि के रूप में आयोग की समीक्षा अधिकारी के वक्तव्य के अनुसार बिन्दु संख्या 1 व 3 की सूचना इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि वे गोपनीय प्रवृति की हैं और आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(ह) एवं 8(1)(क) से आच्छादित हैं। आदेश के बिन्दु 8 में उनकी ओर से कहा गया है कि प्रश्न बैंक उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के नियमों के हिसाब से नहीं दिया जा सकता है और यह बौद्धिक सम्पदा के तहत सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(क) से आच्छादित होता है। उनके द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि अपीलार्थी लीक प्रश्नपत्र की प्रतिलिपि चाहते हैं और यदि अपीलार्थी अलग से आरटीआई एक्ट के लीक प्रश्न पत्र की प्रतिलिपि हेतु आवेदन करते हैं तो वह दे दी जायेगी। आदेश के बिन्दु 9 में अपील का निस्तारण करते हुए कहा गया है कि उपर्युक्त वर्णित परिस्थिति में लोक सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत आगे कोई कार्यवाही शेष नहीं है। अपीलार्थी श्री पाण्डे का कहना है कि सूचना नहीं दिये जाने के सम्बन्ध में आदेश में लोक सूचना अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि द्वारा उल्लिखित नियम में भिन्नता है। आयोग को इस भिन्नता के बारे में आदेश में अपना मत देना चाहिए था। कहा कि इस स्थिति के चलते वह यह नहीं समझ पा रहे हैं कि आखिर उन्हें किस नियम के तहत सूचना के अधिकार से वंचित किया गया है'? आयोग द्वारा अपने आदेश में इस महत्वपूर्ण सवाल को नजरअन्दाज करना दुर्भाग्यपूर्ण है। आदेश में उल्लिखित लोक सेवा आयोग की प्रतिनिधि के इस वक्तव्य पर भी सवाल उठाया गया है जिसमें कहा गया है कि प्रश्न बैंक उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के नियमों के हिसाब से नहीं दिया जा सकता है। जानना चाहा है कि आरटीआई एक्ट के रहते आखिर लोक सेवा आयोग का वह कौन सा नियम है जिसके हिसाब से सूचना नहीं दी जा सकती है। अपीलार्थी का कहना है कि राज्य सूचना आयोग के गठन का मूल उद्देश्य 'लोक' की पैरवी करते हुए उसे मांगी गई सही सूचना दिलाना है और यही समझकर उन्हें विश्वास था कि चार पन्नों की द्वितीय अपील में उनके द्वारा जन हित से जुड़ी सूचना दिलाने हेतु जो तर्क दिये गये हैं उनके बारे में लोक सूचना अधिकारी के प्रतिनिधि द्वारा सुनवाई के समय जो भी पक्ष रखा जायेगा उसकी नियमसंगत समीक्षा करते हुए आदेश जारी किये जांयेगे लेकिन ऐसा नहीं होने से वे हतप्रभ व हतोत्साहित होकर रह गये हैं।

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

अशोक गर्ब्याल

असि.कमिश्नर

सेल्सटैक्स

बागेश्वर

निकाय चुनावों का खेल शुरू

बड़े नेता लाइन बनाने-बिगाड़ने में लगे हैं

होली के बीच लोकसभा चुनाव की गर्मी बनी हुई है लेकिन निकाय चुनाव का खुला खेल शुरू हो चुका है। प्रदेश में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के चुनाव को लेकर पहले से ही इच्छुक नेता तैयारी कर चुके थे लेकिन निकायों में प्रशासक नियुक्त होने और लोकसभा चुनाव की घोषणा के समय यह चुप्पी साधे हुए थे लेकिन जैसे यह पता चला है कि निकाय चुनाव भी हाथोंहाथ होने हैं, तेजी दिखाई दे रही है।

नियमानुसार भी निकाय चुनाव को अब बहुत नहीं टाला जा सकता है। मई जून का महीना इसके लिये माना जा रहा है। प्रशासनिक तैयारी तो पहले से ही हो चुकी है। सबको इन्तजार है जैसे ही इसकी तिथि घोषित हो सबकुछ सरपट होने लगेगा।

चूंकि लोकसभा चुनाव में बड़े नेताओं का जाम लगा हुआ है, ऐसे में छोटे नेता निकाय चुनाव की सटर-पटर उतनी नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि डर है किसी का खेल न उलट जाए। बड़े नेता इनकी लाइन बनाने-बिगाड़ने में लगे हैं। लोकसभा चुनाव में जो टिकट पा चुके हैं और जो नहीं पा सके हैं, वह निकाय चुनाव में अपने चहेतों को टिकट दिलवाने के अलावा किसी को जीत किसी को हार के लिये लिये संयोग बनाने लगे हैं। ऐसे में सबसे पहले नगर निगमों का नम्बर आता है। मेयर का चुनाव लड़ने के इच्छुक पार्टी लाइन पर चलते हुए तैयारी में जुट चुके हैं। इनमें दून, हरिद्वार, काशीपुर, हल्द्वानी, रुद्रपुर पर नेताओं का खास दबाव है। इनमें पार्टी के वह नेता शामिल हैं जिन्हें विधायक स्तर का टिकट दिया जा चुका है या इसके दावेदार माने जाते हैं। नगर निगम के बाद नगर पालिका के टिकट के लिये भी पार्टी नेताओं की परिक्रमा हो रही है। इसमें पुराने दिग्गजों के अलावा नये चेहरों की भरमार चर्चा का विषय बनी हुई है। पुरानी पालिकाओं के अलावा नई नगर पालिका परिषदों में चुनाव के लिये वार्ड मेम्बर से लेकर चैयरमैन तक के नामों की चर्चा होने लगी है जिन्हें पार्टी टिकट मिल सकता है या वह निर्दलीय लड़ेंगे।

नगर पंचायत के लिये भी जोड़-तोड़ होने लगी है। क्षेत्रीय नेता व कारोबारी अपने पसन्द के लिये बड़े चुनाव यानी लोकसभा चुनाव में साथ देने के साथ ही निकाय चुनाव के लिये गोटियां बना रहे हैं। निकाय चुनावों में पार्टी हस्तक्षेप कुछ दिनों बाद दिखाई देगा जब पार्टी टिकट के लिये नेता जोर लगाएंगे। सत्ता पक्ष भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस आदि अभी लोकसभा चुनाव में ध्यान लगाए हुए हैं। स्थानीय नेतागण अपनी ओर से निकाय चुनाव का खेल रहे हैं लेकिन इनकी लाइन बड़े नेताओं के हाथ है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चुनाव गणित और होली.....टिकट की धक्कापरेड, हार-जीत के दावे

प्रथम पृष्ठ का शेष

चर्चा बनी हुई थी लेकिन पार्टी रणनीतिकार समझ चुके थे कि लम्बा खेल करने के लिये फिलहाल अजय टम्टा को ही अवसर दिया जाए। पार्टी टिकट मिलने से गदगद अजय टम्टा भी प्रचार में जुटे हुए हैं। कौसानी, गरुड़, अल्मोड़ा तमाम जगह उनका स्वागत किया गया है। कांग्रेसी पैनल-पैनल कह रहे थे लेकिन स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक से पहले कई नेताओं ने अपना टिकट रुकवाने की कोशिश की। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मनीष खण्डूरी ने कांग्रेस को ऐन मौके पर झटका देते हुए पौड़ी से भाजपाई दावेदारी में शामिल हो गये। असल में खण्डूरी को पहले से डर बन गया था कि पूर्व विधायक गणेश गोदियाल को पौड़ी चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। चर्चा के बीच ही मनीष खण्डूरी ने भाजपा को लपपने में भलाई समझी। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत की तो आफत ही मची हुई है। कांग्रेस में दबंग नेता बनने के बाद झटका देने वाले हरक ने भाजपा में पारी खेली और फिर से कांग्रेसी बन गये। अपनी ताकत का धुंआधार मजा लेने वाले हरक ईडी की छापेमारी के दिनों से चुनाव चक्कर भूल चुके हैं। कांग्रेस ने लोकसभा की पहली सूची में अपने दिग्गजों के नाम घोषित किये लेकिन उत्तराखण्ड की 5 सीटों के लिये मंथन होता रहा। पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा कह रहे हैं- 'प्रदेश की पाँचों सीटों पर कांग्रेस का कब्जा होगा। जनता भाजपा से तंग आ चुकी है।' इस पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक सभा में कहा- 'मुद्दा विहीन विपक्ष जनता को बदगला रहा है। कांग्रेस पहले अपने नेता बचा ले तभी तो उम्मीदवारों की घोषणा होगी।' मुख्यमंत्री अपने दौरों में भाजपा प्रत्याशियों की सफलता के लिये जनता से मांग कर रहे हैं।

अजय भट्ट ज्यू ने प्रचार-प्रसार में जोर भी लगा दिया है। जगह-जगह स्वागत-सत्कार के क्रम में रुद्रपुर पहुँचे श्री भट्ट ने कहा- 'डबल इन्जन सरकार गरीबों का उत्थान कर रही है।' टिहरी लोकसभा सीट पर भाजपा ने फिर से राज्यलक्ष्मी शाह पर दांव चला है। माना जा रहा था इस बार निवर्तमान सांसद रानी राज्यलक्ष्मी की जगह दूसरा चेहरा होगा लेकिन पार्टी ने एकजुटता का फार्मूला अपनाते हुए उन्हें ही उम्मीदवार घोषित किया लेकिन वह कांटे की टक्कर में रहेंगी। कांग्रस की तेज तर्रार गरिमा दसौनी और शिवानी थपलियाल जैसी नेताओं ने मोर्चा खोल रखा है। उधर उत्तराखण्ड मदरसा एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून काशमी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इस देश में जितने शहर नहीं उससे ज्यादा दंगे कांग्रेस ने कराए हैं। कांग्रेस ने भाजपा और संघ का डर दिखाकर अपनी राजनीति की है। कुल मिलाकर होली में चुनाव गणित और टिकट की धक्कापरेड नेताओं को मुबारक।

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

कमल स्वीट्स

ऐशबाग, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी

महानगर की प्रतिष्ठित दुकान जहाँ मिलता है

घर के बाहर घर का वातावरण

मो.- 7466864397, 7906922260

होली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

बाबा चाट भण्डार

मुखानी, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी

शादी विवाह, नामकरण, बर्थडे आदि में

कैटरिंग की सुविधा उपलब्ध

मो.- 9458992961, 9219632341

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स

बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

घर से बाहर घर का सा

होटल लक्ष्य इन मदकोट

सम्पर्क

7351285555

होली के रंगभरे त्यौहार की समस्त पाठकों, विज्ञापन दाताओं, सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पिघलता हिमालय

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मत जाओ पिया.....

मत जाओ पिया होरी आयी रही। मत.
पांव पड़त हूं अरज करत हूं,
अपने पिया को मनाय रही। मत.
या बालम के सेज में जइये,
चार सही दिश ओर कहीं। मत.
दादर मोर पपैया बोले,
कोयल शबद सुनाय रही। मत.
चोखा चन्दन और अरगजा,
अबीर गुलाल उड़ाय रही। मत.
फागुन के दिन यों ही जात हैं,
ऐसी नई ऋतु आय रही। मत.
मत जाओ पिया होरी आयी रही। मत.
पांव पड़त हूं अरज करत हूं....

वृन्दावन की कुंज.....

वृन्दावन की कुंज गलिन में, दधि लूटे नन्द को लाल
बेचन ना जाइयो।
ना जइयो मेरे लाल बेचन ना जाइयो।।
सोल सौ गोपिनी नाया (न्हान) चली,
जमुना जी को लम्बो घाट, बेचन ना.....
कौन जाने जसोदा को लड़को,
वो है लौडा लभार, बेचन ना.....
आपूं जो कान्हा पार उतर गये,
हो धीवर मझधार, बेचन ना.....
दधि माखन सब लूट लियो है,
उलटि मांग लगाई, बेचन ना.....
डनियां हमारी लूट लियो है,
मेरी स्युनिन को रसवारी, बेचन ना.....
नथुली हमारी लूट लियो है,
मेरे गालन को रसवारी, बेचन ना.....
ओंगिया हमारी लूट लियो है,
मेरे नैनन को रसवारी, बेचन ना.....
दधि लूटे नन्द को लाल, बेचन ना.....
ना जइयो मेरे लाल बेचन ना जाइयो।

बलमा बिनु..

बलमा बिनु कैसे कटे
रतिया। बलमा.
आयो फाग फटे छतिया।
बलमा.
रैन अंधेरी
नींद न
आवे,
काम करूं रंग की
बतियां। बलमा.
पिया परदेशी
विरहा सतावै,
अचरा फाड़ी
लिखूं पतियां।
बलमा
घर को पुरोहित
है हितकारी
जाऊं मैं लाऊं तेरे पतियां।

गुलावा..

गुलाबा फागुन में
विराजे। गुलावा.
बार-बार सब पूछन
लागे,
कागा कन्ता कब
आवे। गुलावा.
भर गये ताल नदी
सब सागर,
जैसे गोरी के नैन।
गुलावा....

मारी चलो पिचकारी

मारी चलो पिचकारी कैसी बनवारी।।
परकी होरी कुबिजा संग खेलो,
हो गयी कुबिजा वारी। कैसी.
अब की होरी में आये श्याम,
मैं जोवन मतवारी। कैसी.
रंग महल में रंग बनो है,
पकड़ी रंग में डारी। कैसी.
पकड़ कमर सब रस लीनो,
छोड़ि चलो गिरधारी। कैसी.

मारी चलो.....

मारी चलो पिचकारी कैसी बनवारी
परकी होरी कुबजा संग खेलो।
हो गई कुबजा वारी। कैसी.

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)